(c) Yes, Sir.

(d) Sarapadi Hydroelectric Project (3x30 MW) has been accorded techno-economic approval by Central Electricity Authority in December, 1990 at an estimated cost of Rs. 166.02 crores. The investment approval will be given after environment clearance is accorded by Ministry of Environment and Forests.

Three Thermal Project viz. Raichur Thermal Power Station Stage-III (500MW), Vijayanagar Thermal Power Station (500 MW) and Chamalapura Thermal Power Station (500 MW) have been referred to Central Electricity Authority for their clearance. The clearance of these projects is dependent on various inputs/statutory clearances such as coal linkage, clearances of Ministry of Environment and Forests, Central Water Commission on Water availability, Civil Aviation, Transmission System, etc. Karnataka Power Corporation Limited has been requested to tie-up inputs/clearances.

Financial assistance by World Bank to improve distribution of Electricity in Andhra Pradesh

4369. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that World Bank has agreed to provide financial assistance for improving distribution and transmission of electricity in Andhra Pradesh; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) and (b) According to APSEB the World Bank has approved a Project for augmentation of electrical distribution system in cyclone prone area in the coastal districts of Andhra Pradesh at a total cost of about Rs. 161 crores. The major works covered under the project are provision of 132KV and 33KV injection points, erection of overheads lines/underground cables at various voltage levels, re-engineering of sub-stations and special tools and plants.

पन-बिजली क्षेत्र में विद्युत उत्पादन में कमी

4370. **श्री विनोद शर्मा** : क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अप्रैल, 1992 से जुलाई, 1992 की अवधि के दौरान पन-बिजली क्षेत्र में विद्युत-उत्पादन में कमी आयी है ;

(ख) यदि हां, तो यह कमी कितने प्रतिशत है ;

(ग) क्या यह सच है कि विद्युत-उत्पादन में कमी आने का प्रमुख कारण जल-भंडारों के स्तर का कम होना है ;

(घ) क्या यह सच है कि इन मामलों में गर्मी की अधिकता के कारण बिजली की खपत अपेक्षाकृत अधिक ही होती है ; और

(ङ) यदि हां, तो समय रहते इन जल-भंडारों का अपेक्षित स्तर बनाये रखने के संबंध में पहले से आदेश न दिये जाने के क्या कारण हैं ?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) अप्रैल-जुलाई, 1992 की अवधि के दौरान देश में जल विद्युत केन्द्रों से विद्युत उत्पादन का लक्ष्य 21505 मिलियन यूनिट था जबकि इसकी तुलना में वास्तविक विद्युत उत्पादन 21061 मिलियन यूनिट था जो कि 2.1% कमी का द्योतक है ।

(ग) विद्युत उत्पादन में कमी होने के प्रमुख कारणों में जलाशयों में पानी का निम्न स्तर होना है ।

(घ) और (ङ) जलाशय आपरेशन आमतौर पर प्रणालीगत आवश्यकताओं जैसे सिंचाई के लिए जल मुहैया कराया